



ABOUT CONFERENCE | COMMITTEES | ORGANIZERS | REGISTRATION | ABSTRACTS | IMPORTANT LINKS

5 DAY 3 HOURS 47 MINUTES 35 SECONDS

RECENT TRENDS & CHALLENGES IN GREEN CHEMISTRY, POLLUTION CONTROL AND CLIMATE CHANGE [GPCC-2023]

CSIR - National Botanical Research Institute, Lucknow

14-16 December 2023

National conference at NBRI concludes with discussions, prize distribution

By NBRI Correspondent, Lucknow

Dec 16, 2023 07:58 PM IST

The conference was jointly organised by Council of Scientific and Industrial Research-National Botanical Research Institute (CSIR-NBRI), Lucknow and National Environmental Science Academy (NESA).

On the concluding day of the three-day national conference on recent trends and challenges in green chemistry, pollution control and climate change [GPCC-2023] on Saturday, multiple oral and poster presentations on topics such as pollution and mitigation, climate change, green chemistry, and environmental biotechnology were awarded first and second prizes.

CSIR-NBRI @csimbrilko

1/3 Day-3: National Conference on Recent Trends & Challenges in Green chemistry, Pollution control and Climate change at @csimbrilko @amritabhijat Pri. Sec. UDD @UPGovt graced the Valedictory Function as Chief Guest.

Jagannath Jai and 3 others

3:38 pm · 16 Dec 2023 · 337 Views

सीएसआईआर एनबीआरआई लखनऊ में शुरू हुआ पर्यावरणीय मुद्दों पर राष्ट्रीय सम्मलेन



By: inextlive | Updated Date: Thu, 14 Dec 2023 22:44:13 (IST)

सीएसआईआर एनबीआरआई लखनऊ के प्रतिष्ठित पर्यावरण विज्ञानिक स सम्मलेन के उद्घाटन कार्यक्रम का शुभारंभ पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र के 19 राज्यों के 68 अध्येत्यों के 70 से ज्यादा वैज्ञानिक व अनुसंधान संस्थानों व युनिवर्सिटी के 200 से ज्यादा प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ है।

लखनऊ (यूटी)। इस श्रेणी अलग-अलग तरह के प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों के निपटारे के लिए वेदरत तकनीकी विकास और उनकी चुनौतियों का समाधान कर रहे हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण सम्मलेन को दिशा प्रदान करने और युनिवर्सिटी को इन सम्मलेन की विचारधाराओं और कार्यालयों को दिशादर्शक तब तक प्रेरणा प्रदान करेगा, ताकि इन मुद्दों के निपटारे के लिए सही नीतियां तैयार की जा सकें, वे सही नुस्खा को सीएसआईआर एनबीआरआई व राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी की ओर से पर्यावरणीय मुद्दों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मलेन के उद्घाटन के दौरान मुख्य अतिथि उद्घाटन कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए देखा जा रहा है। डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि हमें असादी जलवायु और जलवायु परिवर्तन के उद्घाटन कार्यक्रमों से बचाने के लिए उद्घाटन करना है। इसीलिए निपटारे तकनीकी विकास बहुत अहम है। यह सम्मलेन ही हमें सही दिशा प्रदान करेगा।

सम्मेलन ग्रीन केमिस्ट्री, प्रदूषण रोकथाम एवं जलवायु परिवर्तन पर चर्चा, 200 से अधिक शोधार्थी और वैज्ञानिकों ने किया प्रतिभाग

पृथ्वी से पहले स्वयं को सुरक्षित करें : डॉ. देवेश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : अगर मुख्य सचिव ने कहा कि पृथ्वी को सुरक्षित करने से पहले खुद को सुरक्षित रखें। क्योंकि पृथ्वी प्राकृतिक रूप से खुद को परिवर्तित करती रही है लेकिन मनुष्य लगातार विकास का शिकार हो रहा है। ऐसे में चिंतन और शोध आवश्यक है। डॉ. देवेश चतुर्वेदी मुख्य अतिथि के रूप में सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान एवं राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी (नेसा) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उन्होंने सभी वैज्ञानिकों



कार्यक्रम के दौरान दीप प्रज्वलित करते हुए अमृत विचार सम्मेलन का विषय बहुत प्रासंगिक है। डॉ. चतुर्वेदी ने इस बात पर जोर दिया कि अनुसंधान संस्थानों और विविध निपटारे के लिए बेहतर तकनीकों और कार्यालयों को हितधारकों तक अवसर सामान कर रहे हैं, उन्हें देखते हुए इस

हासिल की उपलब्धि

नेसा विशिष्ट फेलोशिप अवार्ड बीएसयू के प्रोफेसर डॉ. एके सिंह और देश भर के 21 वैज्ञानिकों को मिला। नेसा प्रखरत वैज्ञानिक पुरस्कार में 10 वैज्ञानिक सम्मानित किए गए। नेसा अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पुरस्कार कर्नाटक विधि के डॉ. सदानंद मुरगेशी और सीएसआईआर-सीबीसीआरआई के सिद्धेन्द्र मंडल को मिला। कोलकाता नेसा इन्सट्रुमेंटल अवार्ड नेशनल इंस्ट्रुमेंटल ऑफ ऑरियन्टल टेक्नोलॉजी के डॉ. डी. प्रेन्ड कुमार और मेनीयाल उत्तराखण्ड काउंसिल ऑफ बायोटैक्नोलॉजी के डॉ. सुमन प्रोहित को दिया गया। नेसा विशिष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार में आठ वैज्ञानिकों को धन्यवाद। नेसा वनक सिन्हा स्मृति अवार्ड के लिए एमिटी की अंसिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रचना सिंह को चुना गया।

इन्होंने प्रस्तुत किए व्याख्यान

कारिंग इंस्ट्रुमेंट ऑफ इंटरनेशनल टेक्नोलॉजी, फुलवैर की डॉ. सज्जता खडू ने एनबीएसीसिटी बिलिंग ट्यूब्स वलाइमेट वेन मिटीगेशन पर, लखनऊ युनिवर्सिटी की डॉ. कुंजिमा कृष्णेश ने निरुक्त इम्पेक्ट बर्ड रिट्रिक नेमोडिफिकेट टू मेडिटेमनल प्लांट्स इन एशिया-एशियासिटी पर, नेशनल इंस्ट्रुमेंट ऑफ ऑरियन्टल टेक्नोलॉजी, केनई के डॉ. डी. राजेश्वर ने इन्वेस्टिंग फॉर ग्रीन एनर्जी पर तथा युनिवर्सिटी ऑफ मद्रास, केनई के डॉ. एम. सुरेश गौरी ने एनबीएसएन और फोर्नसिटी के लिए इन्वेस्टिंग फॉर ग्रीन एनर्जी पर व्याख्यान प्रस्तुत किए।

संस्थापक अध्यक्ष एवं पूर्व निदेशक सीएसआईआर-सीएमपी डॉ. एसबी एस खनुना भी उपस्थित रहे।

Environmental Information, Awareness, Capacity Building and Livelihood Programme Centre (NBRI-EIACP)

CSIR – NBRI, Lucknow

16th December 2023

Mission LiFE Awareness Action in Valedictory Session of GPCC 2023

Encouraging companies to invest in R&D of sustainable alternatives and overcoming economic barriers remains a challenge. In the present scenario, there is a need to develop climate-smart plants and climate-resilient agricultural practices.

The conference aims to enhance global awareness on environmental issues and highlights the need for widespread adoption of sustainable practices.



In the Valedictory Session of Conference held on **16th Dec, 2023**, **Dr. Pankaj Kumar Srivastava**, Sr. Principal Scientist, CSIR-NBRI and Coordinator, NBRI-EIACP, sensitized the audience about Mission LiFE who had come across the country for the conference.

The importance of Mission LiFE along with its seven themes in achieving sustainability of plant and species were discussed during the valedictory session at GPCC 2023. The session highlighted the importance of creating a sustainable ecosystem through Mission LiFE, and how the initiative can benefit both individuals and the planet.

Participants discussed how the initiative can help to create a more equitable and equitable society, and how it can protect the environment.



The **Chief Guest** of the Conference **Shri Amrit Abhijat** IAS, **Principal Secretary, Urban Development, Urban Employment & Poverty Revolution Deptt. and State Mission Director, Swachh Bharat Mission(urban), UP** also took part in the initiative of Mission LiFE sensitization and asked everyone to take Mission LiFE pledge on the occasion.

The total of 80 participants were motivated to commit themselves to the initiative and promised to work towards creating a greener, more sustainable world.

They vowed to use the initiative as an opportunity to spread awareness about environmental issues to their family and friends to promote sustainability and lead to a better future for all.